लीची की खेती

राजेश कुमार

Krishi Gyan Ganga

ASTRAL

लीची की खेती

कृषि ज्ञान गंगा जो एस्ट्रल इंटरनेशनल का एक महत्वपूर्ण अंग है, जो कि कृषि प्रौद्योगिकी, प्रथाओं और प्रक्रियाओं की जानकारी हेतु पुस्तिकांए प्रकाशित कर रहे हैं। यह पुस्तिकाएं हिंदी, अंग्रेजी तथा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित होंगी। इनका उद्धेश्य किसानों के लिए कृषि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण तथा वाणिज्यीकृत कृषि के प्रति जागरूकता तथा कृषि प्रणाली मे परिवर्तन करके किसानो की गरीबी को कम करना है।

हमने कृषि ज्ञान गंगा, किसानों के उत्थान हेतु समर्पित की है। आशा है हमारी पहल किसानों तथा उनके परिवार के विकास में निश्चित रूप से एक मील का पत्थर साबित होगी।

इस मंच के माध्यम से हम सभी विद्धतूजनो को आगे आकर अपना सहयोग देने का निमंत्रण देना चाहते हैं। हमारा आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप इस परियोजना के लिए योगदान दीजिये, अपने वित्त के साथ नहीं बल्कि अपनी ज्ञान और विचारों के साथ। इस कार्य की प्रगति के लिए हम आपके साहित्य और पांडुलिपियों का स्वागत करते हैं और आपको विश्वास दिलाते हैं कि इस कार्य की उन्नति के लिए हम निरंतर और हर कदम पर आपका साथ देंगे। आप अपनी विषय सूची और पांडुलिपियां हमे लिख या मेल कर सकते हैं।

विषय सूची

	प्राक्कथन	*v*
1.	परिचय एवं परिदृश्य	1
2.	वानस्पतिक विवरण	3
3.	पोषक एवं औषधीय गुण	5
4.	पौध प्रवर्धन एवं पौधशाला प्रबंधन	6
5.	नये बागों की स्थापना	14
6.	भूमि एवं जलवायु	19
7.	पोषण प्रबंधन	21
8.	सिंचाई प्रबंधन	31
9.	अन्तरशस्य क्रियाएं एवं अन्तरवर्ती फसल	37
10.	खरपतवार नियंत्रण	39
11.	छत्रक प्रबंधन	42
12.	दैहिक विकार एवं उपचार	53
13.	कीट का प्रकोप एवं नियंत्रण	60
14.	रोग का प्रकोप एवं नियंत्रण	69
15.	तुड़ाई एवं उपज	74
16.	श्रेणीकरण एवं पेटीबंदी	77
17.	प्रशीतन एवं शीत भंडारण	80
18.	विपणन एवं निर्यात	85
19.	प्रसंस्करण, परिरक्षण एवं मूल्यवर्धन	88
20.	उत्तम कृषि क्रियाएं	92
21.	कृषकों/बागवानों की दुविधा – क्या करें?/ क्या न करें?	96
22.	उत्पादन एवं व्यवसाय के आर्थिक पहलू	103